

महानिदेशक की कलम से ...

जनसंख्या की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से भी उत्तर प्रदेश एक वृहद राज्य है। क्षेत्रफल अधिक होने के कारण उत्तर प्रदेश के विभिन्न अंचलों के मौसम एवं जलवायु में काफी विविधता है। कृषि जलवायु के आधार पर उत्तर प्रदेश को 9 कृषि जलवायुवीय क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, वहीं कृषि पारिस्थितिकीय के आधार पर उत्तर प्रदेश 20 भागों में विभक्त है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृषि है। प्रदेश के आर्थिक विकास में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है। उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक खाद्यान्न उत्पादक राज्य है एवं गेहूँ, गन्ना, आम, आलू और दुग्ध उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है।



प्रदेश के कृषकों की आय में वृद्धि तथा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को "01 ट्रिलियन डॉलर" बनाये जाने का लक्ष्य रखा गया है, जो अत्यधिक चुनौतीपूर्ण है, परन्तु इसे साकार किये जाने के लिये कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों से जुड़ी सभी संस्थाओं को समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता है। इसके लिये आवश्यक है कि आधुनिक कृषि तकनीकी विकास एवं प्रसार से जुड़े प्रमुख बिन्दुओं का चिन्हांकन करते हुए समयबद्ध तरीके से रणनीति तैयार की जाये, नये-नये अनुसंधान किये जायें एवं क्षेत्र विशेष हेतु उपयुक्त तकनीकों का कृषकों के मध्य वृहद प्रचार-प्रसार किया जाये एवं इनका क्रियान्वयन कराया जाये। इसके लिये उत्तर प्रदेश को देश में फूड बास्केट के रूप में स्थापित करने के साथ-साथ कृषि टेक्नोलॉजी पर आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाये तथा इकोनॉमिकली सर्स्टेनेबल डेयरी एवं पोल्ट्री प्रोडक्शन क्लस्टरों की स्थापना की जाये।

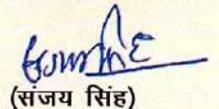
सर्वेक्षणों से पता चला है कि नवीन उन्नत कृषि तकनीकों का मात्र 30 से 35 प्रतिशत ही किसानों द्वारा अंगीकरण किया जा रहा है। यह अन्तर विभिन्न कारकों से नियंत्रित होता है जैसे, उन्नत/नवीन तकनीक की समुचित जानकारी का न होना, निवेशों की समय से आपूर्ति न होना एवं आवश्यक संसाधनों की कमी। किसान का आर्थिक, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक परिवेश भी इस अन्तर के लिए कुछ हद तक उत्तरदायी है। इसे कम करने के लिए यह आवश्यक है कि विभिन्न तकनीकों की उपयोगिता एवं उपयुक्तता के सम्बन्ध में किसानों को समुचित जानकारी एवं सुविधा उचित समय पर उपलब्ध कराई जाये। किसानों तक कृषि ज्ञान के प्रभावी हस्तांतरण के लिए मौजूदा प्रयासों में तालमेल और समन्वय की आवश्यकता है। छोटे किसानों तथा दूरदराज के गांवों तक तकनीकी हस्तांतरण बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य है। किसानों तक कृषि तकनीकी हस्तांतरण मुख्यतः प्रदेश में स्थापित 89 कृषि विज्ञान केन्द्रों के द्वारा ही किया जा रहा है। अतः इन कृषि विज्ञान केन्द्रों का सुदृढीकरण किया जाना नितांत आवश्यक है। इस क्रम में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 18 कृषि विज्ञान केन्द्रों को संबन्धित जनपद की उपयुक्तता के आधार पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया गया है।

वर्तमान समय में कृषकों को पारंपरिक खेती की जगह स्मार्ट तकनीक यथा ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सूचना प्रौद्योगिकी आधारित

खेती करने के लिये प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है ताकि कृषि उत्पादकता बढ़ाई जा सके और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। फसल चक्र एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित खेती, सिंचाई जल का समुचित उपयोग एवं जल संरक्षण की वैज्ञानिक विधियाँ, प्रक्षेत्र पर मिश्रित खेती और खाद्य प्रसंस्करण की वैज्ञानिक विधियों द्वारा जलवायु परिवर्तन आधारित टिकाऊ खेती की तकनीकों को अपनाकर परिवर्तन संभव है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में चल रहे अग्रणीय प्रदर्शनों की संख्या में बढ़ोत्तरी करनी होगी एवं उन्हें प्रभावी बनाना होगा। इसके साथ-साथ नई-नई प्रजातियों को लोकप्रिय बनाने, एकीकृत फसल प्रणाली, संरक्षित खेती, प्राकृतिक/जैविक खेती एवं श्री अन्न की खेती को द्रुतगति से विस्तार देने हेतु अधिक से अधिक प्रदर्शनों का आयोजन कृषक प्रक्षेत्रों पर करना आवश्यक है। इन सभी प्रदर्शनों का पूरा लाभ तभी मिल सकता है जब उनमें किसानों एवं ग्रामीण कार्यकर्ताओं की पूरी भागीदारी सुनिश्चित की जाये।

प्रदेश में लघु एवं सीमांत किसानों की बहुलता है। इन छोटे किसानों तक इनपुट की पहुँच नहीं है, आधुनिक कृषि तकनीकों पर ज्ञान की कमी है और बाजार तक सीधी पहुँच नहीं है। इसी उद्देश्य से सरकार द्वारा कृषक उत्पादक संगठनों (एफ.पी.ओ.) का गठन किया गया है, जो फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों को सशक्त बनाते हैं। एफ.पी.ओ. छोटे किसानों को थोक दर पर बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि जैसे गुणवत्तापूर्ण उत्पादन इनपुट की आपूर्ति, कम लागत पर सफाई, ग्रेडिंग, पैकिंग, भंडारण और लॉजिस्टिक्स जैसी मूल्य संवर्धन सुविधाएं प्रदान करना, मशीनरी और बुनियादी सुविधाएं जैसे सिंक्रलर, कल्टीवेटर, हार्वेस्टर आदि शुल्क पर उपलब्ध कराना, उपज, मांग, रुझान, मूल्य में उतार-चढ़ाव, सरकारी नियमों आदि पर बाजार की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने में सहायता कर रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 1500 कृषक उत्पादक संगठन रजिस्टर्ड हैं, जिनके द्वारा छोटे किसानों को उचित प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण उपज, बेहतर प्रबंधन तथा वित्तीय और ढांचागत समर्थन के माध्यम से कई लाभ प्राप्त करने और विकसित करने में मदद की जा रही है, किंतु कृषक उत्पादक संगठनों को अपर्याप्त तकनीकी कौशल, अपर्याप्त पेशेवर प्रबंधन, कमजोर वित्तीय व्यवस्था, ऋण की अपर्याप्त पहुँच, जोखिम शमन तंत्र की कमी और बाजार तथा बुनियादी ढाँचे का अभाव जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि कृषक उत्पादक संगठनों को ऋण और बाजारों तक पहुँच प्रदान करने में सहायता की जाए तो कृषि उत्पादन के माध्यम से लक्ष्य तक पहुँचने का एक प्रभावी विकल्प हो सकता है।

प्रदेश में वर्तमान में 05 कृषि विश्वविद्यालय, 01 पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, 01 केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के 18 शोध संस्थान तथा अनेक राज्य आधारित संस्थान/विभाग संचालित हैं। कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा कृषक उत्पादक संगठनों तक कृषि की नवीनतम तकनीकी ज्ञान पहुंचाने के लिये ये संस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस हेतु इन सभी संस्थाओं को कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषक उत्पादक संगठनों से समन्वयन स्थापित करने की आवश्यकता है। कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा कृषक उत्पादक संगठनों के सुदृढीकरण के माध्यम से प्रदेश में कृषकों की आय तथा अर्थव्यवस्था में वृद्धि का लक्ष्य प्राप्त करने में निश्चित ही सफलता प्राप्त हो सकेगी।


(संजय सिंह)

उपकार का स्थापना दिवस सम्पन्न

उत्तर प्रदेश "श्री अन्न" (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम" के अन्तर्गत श्री अन्न महोत्सव (राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं कार्यशाला) तथा उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के 34वें स्थापना दिवस का आयोजन 27 अक्टूबर, 2023 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर, लखनऊ में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री, उ.प्र. थे। कार्यक्रम में श्री सूर्य प्रताप शाही, माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र., श्री राकेश सचान, माननीय मंत्री, लघु उद्योग, उ.प्र., श्री बलदेव सिंह औलख, माननीय राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र., कैप्टन (रि.) विकास गुप्ता, माननीय अध्यक्ष, उपकार, श्री मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र., डा. देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, डा. संजय सिंह, महानिदेशक, उपकार, श्री संजय अग्रवाल, उपमहानिदेशक, एक्रिसेट, डा. राजशेखर, सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन, कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं वैज्ञानिकों, प्रदेश के कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों, कृषकों, कृषि विज्ञान केन्द्र तथा एफ.पी.ओ. प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

स्थापना दिवस के अवसर पर उपकार द्वारा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जलवायु अंचलों के "श्री अन्न" उत्पादन व मूल्य संवर्धन हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा 17 एफ.पी.ओ. को माननीय मुख्यमंत्री, उ.प्र. के करकमलों से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत उपकार द्वारा प्रदेश के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के माध्यम से मिलेट्स की उन्नत प्रजातियों के अनुसंधान एवं नवाचार कराये जाने के लिये माननीय मुख्यमंत्री, उ.प्र. द्वारा अनुमोदन पत्र प्रदान किया गया।



कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं अन्य गणमान्य अतिथि

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में माननीय मुख्यमंत्री जी ने 'श्री अन्न' की उपयोगिता बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश 'श्री अन्न' के उत्पादन का बड़ा केन्द्र बन सकता है। 'श्री अन्न' की उत्पादकता बढ़ाने के लिये वृहद स्तर पर अनुसंधान की आवश्यकता है। उन्होंने उपकार द्वारा प्रदेश में कृषि



'श्री अन्न' उत्पादन व मूल्य संवर्धन हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा एफ.पी.ओ. को सम्मानित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री, उ.प्र. श्री योगी आदित्यनाथ जी

अनुसंधान के लिये किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कृषि अनुसंधान हेतु उपकार जैसी संस्था का उपयोग किया जाना चाहिये। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि 'श्री अन्न' महोत्सव और उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम से किसानों और उपभोक्ता दोनों को ही लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा कृषि विभाग, उ.प्र. द्वारा आयोजित 'श्री अन्न' प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया गया।



कार्यक्रम में उद्बोधन देते हुए माननीय मुख्यमंत्री, उ.प्र. श्री योगी आदित्यनाथ जी

मिलेट्स (श्री अन्न) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 के दृष्टिगत उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ एवं इटीग्रल कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आई. आई. ए. एस. टी.), इटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में बदलते जलवायु परिदृश्य में मिलेट्स (श्री अन्न) के उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन हेतु अभिनव दृष्टिकोण विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 29 सितम्बर, 2023 को इटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ के केंद्रीय सभागार में किया गया, जिसके मुख्य अतिथि डा. ए.के. सिंह, कुलपति, रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी तथा विशिष्ट अतिथि डा. राम कठिन सिंह, पूर्व निदेशक शोध, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या एवं श्री पी.एस. ओझा, राज्य सलाहकार, एफ.पी.ओ. (किसान उत्पादक संगठन) प्रकोष्ठ, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश थे।



संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि डा. ए.के. सिंह, कुलपति, रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी एवं अन्य गणमान्य अतिथि

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्मारिका का विमोचन किया गया तथा एफ.पी.ओ., कृषि विज्ञान केन्द्रों, महाविद्यालयों एवं विभागों/संस्थानों द्वारा मिलेट्स से सम्बंधित प्रदर्शनी लगाई गयी। संगोष्ठी में पोस्टर सत्र का भी आयोजन किया गया। संगोष्ठी में डा. बी. वेंकटेश भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, श्री आर.के. सिंह, अपर कृषि निदेशक (प्रसार), कृषि निदेशालय, लखनऊ, डा. कमालुद्दीन, प्राध्यापक, पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा, डा. बी.वी.एस. सिसोदिया, पूर्व प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या, डा. अतुल कुमार सिंह, वैज्ञानिक-डी और प्रमुख/प्रभारी, राज्य कृषि मौसम विज्ञान केन्द्र, भारतीय मौसम विभाग, लखनऊ, डा. रामवन्त गुप्ता, सह प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान), दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, डा. श्वेता, सहायक प्राध्यापक, पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग, चन्द्र शेखर आजाद कृषि

एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, प्रो. साधना सिंह, अधिष्ठाता, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या, श्री रिषु गौतम, उप निदेशक, भारतीय पैकेजिंग संस्थान, नई दिल्ली, डा. कीर्ति मणि त्रिपाठी, विषय वस्तु विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केन्द्र, बुलंदशहर तथा इन्जीनियर अशाफाक, सहायक प्राध्यापक, कृषि विभाग, इंटीग्रल कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किये गये।



'श्री अन्न' प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए प्रो. एस.डब्ल्यू. अख्तर, कुलाधिपति, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ, संगोष्ठी के मुख्य अतिथि, डा. ए.के. सिंह, कुलपति, रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी, डा. संजय सिंह, महानिदेशक, उपकार एवं अन्य

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न संस्थानों/विभागों/विश्वविद्यालयों/कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों, अधिकारीगण, विशेषज्ञों, शिक्षाविद, छात्र एवं छात्राओं, कृषक बन्धुओं, एफ.पी.ओ. के प्रतिनिधि तथा प्रेस एवं मीडिया सहित लगभग 550 लोगों ने प्रतिभाग किया। इसके अतिरिक्त कई वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों एवं छात्रों ने वर्चुअली प्रतिभाग किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की महत्वपूर्ण संस्तुतियां निम्नवत हैं –

- मिलेट्स की अल्पकालीन, अधिक उत्पादकता, कीट एवं व्याधि प्रतिरोधी पोषण की दृष्टि से श्रेष्ठ प्रजातियों का चयन/विकास किया जाय। बायोफोर्टिफाइड विकसित प्रजातियों को क्षेत्रफल विस्तार में सम्मिलित किया जाये।
- मिलेट्स के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन हेतु सीड हब विकसित किये जायें तथा ब्रीडर सीड उत्पादन को बढ़ावा दिया जाये।
- विभिन्न मिलेट्स पर क्षेत्र विशेष की उपयुक्तता के अनुसार अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाये।
- कृषकों और उद्योगों दोनों को लाभ पहुँचाने के लिये विशिष्ट जीनोटाइप की पहचान की जाये।
- बाजरा में सघन खेती और उत्पाद विविधीकरण के लिये सभी मौसम की किस्में, खड़ी पत्ती के आदर्शों के साथ छोटी अवधि की संकर किस्मों का विकास किया जाये।
- मिलेट्स के मूल्य सवर्धित उत्पादों के दीर्घकालीन भण्डारण की तकनीकों का मानकीकरण सुनिश्चित किया जाये।
- मिलेट्स आधारित ब्रांडेड मूल्यवर्धित उत्पादों का विकास किया जाये।
- सभी मिलेट्स और मिलेट्स उत्पादों के लिए मानक और ग्रेड की स्थापना की जाये।
- मिलेट्स की प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित करने पर शत-प्रतिशत सब्सिडी तथा मंडियों में मिलेट्स के लिए अलग बिक्री केंद्र बनाये जायें।
- प्रसंस्करण हानियों और चोकर में पोषक तत्वों की हानि को कम करने के लिए छोटे मिलेट्स की भूसी निकालने के लिए कुशल मशीनरी की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाये।

- मिलेट्स आधारित उद्योग के लिए इन्क्यूबेशन सेन्टर्स और स्टार्ट-अप का विकास किया जाये।
- मिलेट्स के उपयोग को पीडीएस, मिड डे मील में शामिल करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की भोजन प्रणाली में एक आवश्यक घटक के रूप में समाहित किया जाये।
- प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के पाठ्यक्रम में मिलेट्स को अनिवार्य अध्याय के रूप में सम्मिलित किया जाये।

किसानों की आय को बढ़ावा देने के लिये उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

उत्तर प्रदेश के कृषि क्षेत्र के विकास के लिए उपयुक्त रणनीति और रोड-मैप विकसित करने के लिए "सीजीआईएआर प्रौद्योगिकियों के हस्तक्षेप के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ावा देने की रणनीति" विषय पर एक उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ, इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स, हैदराबाद एवं भाकृअनुप-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर), लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में 25 अप्रैल, 2023 को किया गया। इस कार्यशाला में सीजीआईएआर संस्थानों के दृष्टिकोण से फसल-वार विशिष्ट तकनीकी हस्तक्षेप, सीजीआईएआर संस्थानों की गतिविधियों के साथ राज्य के कृषि क्षेत्र के लाभ और राज्य सरकार द्वारा नीतिगत हस्तक्षेप के रूप में आवश्यक सीजीआईएआर संगठनों की अपेक्षाओं पर गहन चर्चा की गई। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री सूर्य प्रताप शाही, माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उत्तर प्रदेश थे। कार्यशाला की अध्यक्षता डा. पंजाब सिंह, पूर्व सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा की गई। कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि श्री मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. थे।

इस कार्यशाला में सीजीआईएआर के विभिन्न संगठनों जैसे इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स (इक्रीसेट), इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट (इरी), इंटरनेशनल मेज एंड व्हीट इम्प्रूवमेन्ट सेंटर (सिमिट), इंटरनेशनल वॉटर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (आईडब्ल्यूएमआई), इंटरनेशनल पोटेटो सेंटर (सीआईपी), इंटरनेशनल सेंटर फॉर ट्रॉपिकल एग्रीकल्चर (सिएट), इंटरनेशनल सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च इन द ड्राई एरियाज (इकार्डी) और वर्ल्ड फिश सेंटर (वर्ल्ड फिश) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ-साथ आर्थिक सलाहकार, मा. मुख्यमंत्री, उ.प्र. तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, विश्वविद्यालयों सहित प्रदेश के कृषि एवं संबन्धित विभागों ने प्रतिभाग किया।



कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए डा. पंजाब सिंह, पूर्व सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, श्री मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. एवं अन्य वैज्ञानिकगण

जैग्रेब विश्वविद्यालय, क्रोएशिया के प्रतिनिधि मण्डल के साथ उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न

जैग्रेब विश्वविद्यालय, क्रोएशिया तथा प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों व बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी के मध्य कृषि शोध व शिक्षा के ज्ञान के आदान-प्रदान के संबंध में सहयोग समझौते हेतु क्रोएशिया से आये प्रतिनिधि मण्डल के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन 17 जुलाई, 2023 को होटल हयात रीजेन्सी, गोमतीनगर, लखनऊ में किया गया। बैठक की अध्यक्षता माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान श्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा की गई। बैठक में जैग्रेब विश्वविद्यालय, क्रोएशिया प्रतिनिधि मण्डल के श्री इविका कृसिक, अधिष्ठाता, कृषि संकाय (धर्मपत्नी श्रीमती मारिका कृसिक के साथ); उप अधिष्ठाता अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मिस क्रिस्टीना किजक तथा उप अधिष्ठाता विज्ञान मिस क्लॉडिया स्टैन्को



क्रोएशियन प्रतिनिधि मण्डल के साथ बैठक के अवसर पर माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. श्री सूर्य प्रताप शाही, माननीय राज्यमंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. श्री बलदेव सिंह औलख तथा शासन के उच्चाधिकारी, कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण एवं महानिदेशक, उपकार

कारोविक द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस उच्चस्तरीय बैठक में श्री बलदेव सिंह औलख, माननीय राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान उ.प्र., डा. के.वी. राजू आर्थिक सलाहकार, माननीय मुख्यमंत्री, उ.प्र., डा. देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन, डा. राजशेखर, सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन, डा. संजय सिंह महानिदेशक, उपकार, डा. के.के. सिंह, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, मेरठ, डा. बिजेन्द्र सिंह, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या, डा. ए.के. सिंह, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर, डा. एम.के. पाण्डेय, कुलपति, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी, श्री अजय कुमार द्विवेदी, विशेष सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान उ.प्र. शासन तथा विभिन्न विभागों के निदेशक, कृषि विश्वविद्यालयों एवं उपकार के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में जैग्रेब विश्वविद्यालय,



क्रोएशियन प्रतिनिधि मण्डल के साथ परिषद में बैठक के अवसर पर माननीय अध्यक्ष, उपकार कैप्टन (से.नि.) विकास गुप्ता, महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह, श्री पी.के. शर्मा, सचिव, उपकार एवं अन्य वैज्ञानिक

क्रोएशिया तथा प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों व बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी में ज्ञान के आदान-प्रदान के संबंध में सहयोग समझौते के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया तथा रणनीति तैयार की गई।

जैग्रेब विश्वविद्यालय, क्रोएशिया के प्रतिनिधि मण्डल को 17 जुलाई, 2023 को परिषद के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, हैदरगढ़ का भ्रमण कराया गया। क्रोएशियन प्रतिनिधि मण्डल ने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किये जा रहे प्रसार एवं अन्य अनुसंधान कार्यों का अवलोकन किया एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया।

क्रोएशियन प्रतिनिधि मण्डल के साथ 18 जुलाई, 2023 को परिषद में माननीय अध्यक्ष, उपकार कैप्टन (से.नि.) विकास गुप्ता की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें उपकार के वैज्ञानिकों के साथ क्रोएशियन प्रतिनिधि मण्डल द्वारा कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं एवं दोनों देशों द्वारा विकसित कृषि तकनीकों के आदान प्रदान पर विचार-विमर्श किया गया। क्रोएशियन प्रतिनिधि मण्डल को लखनऊ के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण भी कराया गया।

नवीन शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में बैठक सम्पन्न

भारत सरकार द्वारा प्राख्यापित नवीन शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों का वर्तमान परिदृश्य एवं भावी रणनीति विषय पर उच्च स्तरीय बैठक 06 सितम्बर, 2023 को सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का आयोजन कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग, उ.प्र. शासन तथा उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस बैठक के मुख्य अतिथि माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान श्री सूर्य प्रताप शाही थे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान श्री बलदेव सिंह औलख ने प्रतिभाग किया।



बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. श्री सूर्य प्रताप शाही, माननीय राज्यमंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. श्री बलदेव सिंह औलख तथा शासन के उच्चाधिकारी, कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण एवं महानिदेशक, उपकार

बैठक में उपकार के महानिदेशक डा. संजय सिंह द्वारा नवीन शिक्षा नीति-2020 को प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में अपनाये जाने के क्रम में मुख्य-मुख्य बिन्दुओं पर संस्तुतियों प्रस्तुत की गयीं। तत्पश्चात् कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों द्वारा नवीन शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में संबंधित विश्वविद्यालयों में अपनाये गये क्रियाकलापों को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान यह संज्ञान में लाया गया कि नवीन शिक्षा नीति-2020 के प्राविधानों के अनुरूप प्रत्येक कृषि विश्वविद्यालय में छात्रों की संख्या प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत बढ़ाते हुए वर्ष 2030 तक 3000 करना है। इसी प्रकार विश्वविद्यालयों को बहुआयामी संस्था के रूप में विकसित किये जाने हेतु विभिन्न प्रमाण-पत्र कोर्स, डिप्लोमा एवं अन्य प्रकार के क्षमता विकास कोर्स प्रारम्भ किया जाना होगा साथ ही क्षेत्र विशेष में स्थित विश्वविद्यालयों के छात्रों हेतु लोक नृत्य, लोक गायन तथा डिजिटल वर्किंग के कोर्स को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए।

मुख्य अतिथि एवं माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान ने कहा कि प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों द्वारा ऐसे सुझाव प्रस्तुत किये जाए कि संस्थाओं में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर तरीके से उपयोग करते हुए नवीन शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के अनुरूप कार्यक्रम तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों, उपकार एवं उ.प्र. शासन द्वारा इस दिशा में प्रभावी रणनीति बनाई जाए कि निर्धारित समय सीमा में नवीन शिक्षा नीति-2020 को पूर्णता के साथ प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में लागू किया जा सके।

कृषि परामर्श समूह (क्राफ वेदर वाच ग्रुप) की बैठकें सम्पन्न

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद में महानिदेशक की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय मौसम आधारित कृषि परामर्श समूह (क्राफ वेदर वाच ग्रुप) का गठन प्रदेश के विभिन्न अंचलों में मौसम की समीक्षा करते हुये कृषि जलवायुवार रणनीति तथा आकस्मिक योजना तैयार कर संबंधित विभागों एवं संचार माध्यमों के द्वारा किसानों तक पहुंचाकर फसलों पर होने वाले सम्भावित कुप्रभावों को कम करने के उद्देश्य से किया गया है। इस समूह में निदेशक, मौसम विज्ञान, अमौसी, प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के मौसम, फसल, कीट एवं पादप रोग वैज्ञानिक, कृषि, उद्यान, रेशम, पशुपालन, मत्स्य, गन्ना एवं वन विभाग तथा रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन सेंटर एवं उपकार के वैज्ञानिक/अधिकारी नामित हैं।

उल्लेखनीय है कि सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (एसएमईई) के अन्तर्गत गठित अंतर्विभागीय कार्यकारी दल (आई.डी.डब्ल्यू.जी.) की बैठक में इस ग्रुप के 03 वर्षों के क्रियाकलापों हेतु धनराशि रु. 53.50 लाख अनुमोदित की गई है। ग्रुप द्वारा पिछले सप्ताह के मौसम तथा आगामी मध्यावधि मौसम को संज्ञान में लेते हुए समीक्षा उपरान्त प्रदेश के विभिन्न अंचलों हेतु कृषि परामर्श निर्गत किया जाता है। ग्रुप द्वारा वर्ष 2023 में 17 साप्ताहिक/पाक्षिक बैठकें आयोजित कर प्रदेश के कृषकों को मौसम आधारित कृषि परामर्श दिये गये।



बैठक की अध्यक्षता करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

ग्रुप की संस्तुतियों को कृषकों के उपयोगार्थ समाचार पत्रों, आकाशवाणी, दूरदर्शन, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ.प्र. एवं संबंधित विभागों के माध्यम से प्रचारित-प्रसारित किया गया। ग्रुप की संस्तुतियों प्रदेश के नीति निर्धारकों, समस्त जिलाधिकारियों, निदेशक कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, रेशम, वन, गन्ना विभाग, बीज विकास निगम तथा प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, निदेशक प्रसार, कृषि विज्ञान केन्द्रों को निरन्तर प्रचार-प्रसार एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गयी। इसके अतिरिक्त ग्रुप द्वारा मानसून की विभिन्न परिस्थितियों में फसल प्रबंधन की रणनीति एवं आकस्मिक योजना 2023 तैयार कर कृषि विभाग को उपलब्ध कराई गई।

शोध निधि अन्तर्गत नवीन परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन एवं समीक्षा

उपकार द्वारा वर्ष 2022 में विज्ञापित 17 शोध प्राथमिकताओं के सापेक्ष विभिन्न विषयों की कुल 217 परियोजना सिनाप्सिस प्राप्त हुईं जिनकी स्क्रीनिंग 14-16 मार्च, 2023 को महानिदेशक, उपकार की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा कराई गई, जिसमें 36 परियोजना सिनाप्सिस उपयुक्त पाई गई। उपयुक्त परियोजना सिनाप्सिस के सापेक्ष प्राप्त हुए कुल 33 विस्तृत परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन वाह्य विशेषज्ञों से कराये जाने के पश्चात संस्तुत किये गये नवीन परियोजना प्रस्तावों का प्रस्तुतिकरण एवं समीक्षा महानिदेशक, उपकार की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक में 12-13 अक्टूबर, 2023 को सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश में स्थित कृषि एवं अन्य विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के संस्थानों के मुख्य अन्वेषकों द्वारा विभिन्न विषयों की 27 परियोजनाओं का प्रस्तुतिकरण किया गया जिसकी समीक्षा उपरांत विभिन्न विषयों के कुल 24 नवीन शोध परियोजना प्रस्तावों को शोध सलाहकार समिति की बैठक में अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किये जाने की संस्तुति की गई।



बैठक की अध्यक्षता करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

शोध सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

शोध सलाहकार समिति की 20वीं बैठक 05 दिसम्बर, 2023 को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ के सभागार में अध्यक्ष, उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद कैप्टन (स.नि.) विकास गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें सम्यक विचार-विमर्श उपरांत धनराशि रु. 528.99 लाख की निम्नानुसार कुल 24 शोध परियोजनाएं वित्त पोषण हेतु स्वीकृत की गई तथा विभिन्न प्रशासनिक एवं नीतिगत निर्णय लिये गये।



शोध सलाहकार समिति की 20वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय अध्यक्ष, उपकार कैप्टन (स.नि.) विकास गुप्ता

1. Improvement of aromatic short grain rice landraces of U.P. through mutation breeding. **PI:** Dr. Saurabh Dixit, Rice Breeder, Crop Research Station, Masodha, Acharya Narendra Deva University of Agriculture and Technology, Ayodhya.
2. To study the effect of arsenic accumulation on aroma, nutritive value and glycemic index of short grain aromatic rices grown in arsenic affected districts of eastern Uttar Pradesh. **PI:** Dr. Sanjay Dwivedi, Assistant Professor, Plant Ecology and Climate Change Science Division, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow.
3. Genome wide association mapping for dissecting genomic regions conferring drought tolerance in Durum wheat germplasm. **PI:** Dr. Vaidurya Pratap Sahi, Associate Professor & Head, Department of Genetics and Plant Breeding, Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology & Sciences, Prayagraj.
4. Evaluation and genetic improvement of pigeonpea landraces for development of climate resilient genotypes for U.P. **PI:** Dr. Indra Prakash Singh, Principal Scientist (Plant Breeding), Crop Improvement Division, ICAR-Indian Institute of Pulses Research, Kanpur.
5. Phenotyping for assessment of photosynthetic and light use efficiency in chickpea in response to high temperature. **PI:** Dr. Ashutosh Kumar, Assistant Professor (Crop Physiology), College of Agriculture, Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi.
6. Identification and characterization of potential pigeon pea genotype for water logging tolerance using combinatorial omics approaches. **PI:** Dr. Hitesh Kumar, Assistant Professor, Genetics and Plant Breeding, Banda University of Agriculture and Technology, Banda.
7. Dynamics of photosynthetic apparatus during the pre-zygotic stage of wheat in response to elevated temperature. **PI:** Dr. Ramwant Gupta, Associate Professor, Department of Botany, Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur.
8. Popularization of espalier architecture under high density planting system for enhanced quality and productivity of guava. **PI:** Dr. K.K. Srivastava, Principal Scientist, Horticulture-Fruit Science, ICAR-Central Institute for Subtropical Horticulture, Lucknow.
9. Standardization of production protocol, value addition and popularization of dragon fruit in U.P. **PI:** Dr. Ranjit Pal, Assistant Professor (Fruit Science), Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi.
10. Production protocol, value addition and popularization of dragon fruit in Uttar Pradesh. **PI:** Dr. P.L. Saroj, Principal Scientist, Division of Crop Production, ICAR-Central Institute for Subtropical Horticulture, Lucknow.
11. Utilization of the aquatic weed water hyacinth (*Pontederia crussipes*) for the development of green manure for natural farming practices in land and water. **PI:** Dr. Bonika Pant, SMS, Krishi Vigyan Kendra, Gautam Buddh Nagar.
12. Quality evaluation and impact analysis of manures from diversely processed cow dung for environmental and economical sustainability of agriculture. **PI:** Dr. Rajiv Ranjan, Senior Scientist, ICAR-Central Institute for Research on Cattle, Meerut.
13. Assessing impact of technologies for enhancing the productivity of oilseeds (mustard and groundnut) and pulses (chickpea and pea) in Bundelkhand region of Uttar Pradesh. **PI:** Dr. V. David Chella Baskar, Assistant Professor (Agricultural Economics), Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi.
14. Impact of solar irrigation pump on farm economy in Bundelkhand region of Uttar Pradesh. **PI:** Dr. Yash Gautam, Assistant Professor, Banda University of Agriculture and Technology, Banda.
15. Study on socio-economic livelihood of farmers through PM Kisan Samman Nidhi in eastern Uttar Pradesh. **PI:** Dr. Anil Kumar Singh, Assistant Professor (Agril. Economics), College of Agriculture, Kotwa, Azamgarh, ANDUAT, Ayodhya.
16. Deployment of settling nurseries with mechanized priming of sugarcane setts technology through KVKs in network mode. **PI:** Dr. Chandra Mani Raj, Scientist, ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow.

17. Fostering agroforestry based incubation to booster the agribusiness in Uttar Pradesh. **PI:** Dr. S. Ramanan, Scientist, ICAR-Central Agro-Forestry Research Institute, Jhansi.
18. Development of agri-preneurship through capacity building and start up in grafted vegetables production. **PI:** Dr. Anant Bahadur, Principal Scientist (Vegetable Science), ICAR-Indian Institute of Vegetable Research, Varanasi.
19. Conservation agriculture-led management of drought and heat stress of pulse-based cropping system in Bundelkhand and Vindhyan regions of Uttar Pradesh through participatory approach. **PI:** Dr. Chaitanya Prasad Nath, Scientist-Senior Scale (Agronomy), Crop Production Division, ICAR-Indian Institute of Pulses Research, Kanpur.
20. Physiological and molecular approaches for genetic enhancement of temperature stress in wheat. **PI:** Dr. Alok Kumar Singh, Assistant Professor, Department of Crop Physiology, Acharya Narendra Deva University of Agriculture and Technology, Ayodhya.
21. Evaluation and characterization of Indian mustard genotypes against biotic (White rust, Sclerotinia and Alternaria blight) and abiotic (submergence) stresses (phase-II). **PI:** Dr. Kartikeya Srivastava, Professor, Department of Genetics and Plant Breeding, Institute of Agricultural Sciences, Banaras Hindu University, Varanasi.
22. Achieving sustainable development goals through adoption of livestock-based natural farming system in Bundelkhand region of U.P. **PI:** Dr. Raghavendra Singh, Principal Scientist (Agronomy), Crop Production Division, ICAR-Indian Institute of Farming System Research, Meerut.
23. Promotion of horti-based integrated farming system (IFS) modules in participatory approach for improving income and livelihood of marginal farmers of Uttar Pradesh. **PI:** Dr. Rakesh K Dubey, Principal Scientist (Horticulture-Vegetable Science), ICAR-Indian Institute of Vegetable Research, Varanasi.
24. Development of alternative pest management strategies in conjunction with safe pesticide for thrips management in mango. **PI:** Dr. H.S. Singh, Principal Scientist (Agril. Entomology), ICAR-Central Institute for Subtropical Horticulture, Lucknow.

परियोजनाओं की समीक्षा एवं अनुश्रवण

शोध निधि के अन्तर्गत प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/शोध संस्थानों में संचालित 27 शोध परियोजनाओं की समीक्षा महानिदेशक, उपकार की अध्यक्षता में 31 जुलाई एवं 01 अगस्त, 2023 को आहूत दो दिवसीय कार्यशाला में की गई तथा मुख्य अन्वेषकों को विभिन्न तकनीकी सुझाव दिये गये। इससे पूर्व इन परियोजनाओं का स्थलीय भ्रमण कर प्रगति का अनुश्रवण परिषद के वैज्ञानिकों एवं वाह्य विशेषज्ञों द्वारा समन्वित रूप से जनवरी-फरवरी, 2023 के मध्य किया गया एवं परियोजना अन्वेषकों को अपेक्षित तकनीकी सुझाव भी दिये गये।



कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

शोध प्राथमिकताओं पर परियोजनाएं आमंत्रित

प्रदेश की कृषि एवं तत्संबंधित विषयों की शोध प्राथमिकताओं का चिन्हांकन एवं निर्धारण बैठक के माध्यम से चिन्हित एवं अनुमोदन समिति से संस्तुत निम्नलिखित 34 शोध प्राथमिकतायें जनवरी, 2023 में उपकार द्वारा विज्ञापित एवं सर्कुलेट कर राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा में संलग्न राज्य सरकार के अन्य संस्थानों से रिवाल्विंग फण्ड के अन्तर्गत प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर शोध प्रस्ताव (सिनाप्सिस) आमंत्रित किये गये।

1. Standardization of curing techniques for longer shelf life of Kharif onion.
2. Addressing fruit dropping and cracking problems in bael.
3. Refinement and validation of technology for management of jelly seed problem in commercial varieties of mango.
4. Development of seed production and distribution model for demand driven varieties of potato.
5. Refinement and validation of location specific ground water recharge models.
6. Standardization of drone technology at farmers field for land resource planning and minimizing the cost of cultivation.
7. Development of crop-weather yield models for different agro-climatic regions.
8. Evaluation of natural farming performance and its blending with other agro-technologies under different cropping systems.
9. Mitigating agriculture- wild life conflict.
10. Adaptive research on productivity enhancement in rice-wheat at par to Punjab state.
11. Adaptive research to increase the milling recovery of rice in U.P.
12. Adaptive research on development of seed drill mechanism for line sowing to increase the productivity of mustard and pulse crop.
13. Crop residue recycling for soil rejuvenation and climate resilience.
14. Photosynthetic apparatus and carbon sequestration in crop plants.
15. Strengthening of sugarcane seed production programme of new varieties through bud chip technologies at FPOs of U.P.
16. Tagging and mapping of QTLs/genes for major stresses of pulses and oilseeds land races/indigenous genotypes along with nutritional quality.
17. Collection, screening and selection of superior genotypes of non-traditional crops and nutri-cereals e.g. quinoa (*Chenopodium quinoa* Willd.) and grain amaranth.
18. Evaluation of bio-fortified varieties of major crops alongwith biotic and abiotic resistance in different agro-climatic regions and development of its seed production and distribution model for addressing micronutrient deficiencies.
19. Evaluation of improved varieties and landraces of groundnut and standardization of its production technology.
20. Qualitative research in rapeseed and mustard landraces for different economic traits.
21. Evaluation and identification of suitable variety of sunhemp and dhaincha for green manuring and development of seed production and distribution model.
22. Use of Artificial Intelligence in insects, pests and disease diagnosis and advisory.
23. Root knot nematode management in fruit nurseries and vegetable crops under protected conditions.
24. Management of infertility in indigenous breeds of cattle and development of protocol for distribution of quality sex sorted semen.
25. Development of testing kit for mastitis at farmers door step.
26. Diversification of aqua-cultural practices through introduction of potential cultivable hatcheries other than Indian Major Carps.
27. Supply chain analysis of millets and other high value crops in Uttar Pradesh.
28. Development of system/mechanism for efficient utilization of valuable instruments/machinery procured under Govt. projects.
29. Impact analysis of newer pulses and barley varieties and promotional strategies in U.P.

30. Assessment of efficiency of I.C.T. tools (m-extension, e-portals, Kiosk, artificial intelligence for information management and dissemination etc.) in agricultural research and extension system.
31. Standardization of packaging protocols for major fruits and vegetables for longer shelf life.
32. Development of commercial value added products from millets.
33. Adaptive research on reducing post harvest losses in various crops/commodities.
34. Designing, developing and imparting training programmes for empowerment of rural women for their self-reliance.

परियोजनाओं की स्क्रीनिंग हेतु परीक्षण समिति की बैठकें सम्पन्न

उपकार द्वारा रिवाल्विंग फण्ड के अन्तर्गत विज्ञापित विभिन्न विषयों की 34 प्राथमिकताओं के सापेक्ष प्राप्त 137 कान्सेप्ट नोट्स की स्क्रीनिंग हेतु गठित समितियों की बैठकें महानिदेशक, उपकार की अध्यक्षता में 16 एवं 17 अक्टूबर, 2023 को सम्पन्न हुई, जिसमें विभिन्न विषयों के कुल 41 कान्सेप्ट नोट्स विस्तृत परियोजना प्रस्ताव आमंत्रित किये जाने हेतु संस्तुत किये गये। विभिन्न विषयों के संस्तुत कान्सेप्ट नोट्स पर निर्धारित प्रारूप पर विस्तृत परियोजना प्रस्ताव आमंत्रित किये गये हैं।



परीक्षण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

उत्तर प्रदेश 'श्री अन्न' (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत शोध परियोजनाओं का वित्त पोषण

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में मिलेट्स/पौष्टिक अनाज की खेती, प्रसंस्करण एवं उपभोग को बढ़ावा देने के लिये "उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम" के अन्तर्गत मिलेट्स की उन्नत प्रजातियों के अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी कार्य उपकार के माध्यम से कराये जाने के लिये 4 वर्षों हेतु धनराशि रु. 560.00 लाख आबंटित किये गये हैं। इस धनराशि से शोध परियोजनाओं के वित्त पोषण हेतु कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. की अध्यक्षता में गठित अनुमोदन समिति की बैठक 25 अक्टूबर, 2023 को सम्पन्न हुई, जिसमें प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों व गोरखपुर विश्वविद्यालय की निम्नानुसार 10 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है -

1. Identification and promotion of superior finger millet (*Eleusine coracana*) varieties for food, feed and nutritional security. **PI:** Dr. Shewta, Assistant Professor, CSAUAT, Kanpur.
2. Characterization and standardization of agro-techniques for millet varieties and landraces in salt affected soils to boost productivity. **PI:** Dr. Ravikiran K.T., Scientist, ICAR-CSSRI, RRS, Lucknow.
3. Identification of nutritionally superior climate resilient varieties of millets through evaluation of landraces/available varieties/germplasm and development of good agronomic practices for their promotion. **PI:** Dr. Rumana Khan, Assistant Professor, RLBCAU, Jhansi.
4. Intensification of millet crops, value addition, creation of rural entrepreneurship and marketing through participation of FPOs and SHGs in seven districts of U.P. **PI:** Dr. Manish Kumar Kesarwani,



अनुमोदन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. श्री मनोज कुमार सिंह

Subject Matter Specialist, SHUATS, Prayagraj.

5. Improving the adaptability and productivity of millets in Uttar Pradesh. **PI:** Dr. P. Sanjana Reddy, Principal Scientist, ICAR-IIMR, Hyderabad.
6. Improving photosynthetic electron transport and CO₂ flow in the leaves of finger millet to enhance yield. **PI:** Dr. Ramwant Gupta, Associate Professor, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur.
7. Morpho-molecular characterization, evaluation and utilization of landraces of finger millet (*Eleusine coracana*). **PI:** Dr. P.K. Singh, Professor, BHU, Varanasi.
8. Enhancement of production and value-added products in sorghum (*Sorghum bicolor* L. Moench). **PI:** Dr. Pooran Chand, Professor, SVPUAT, Meerut.
9. Germplasm identification for quality, preferential traits and value addition in minor millets of Bundelkhand region. **PI:** Dr. Kamaluddin, Professor, BUAT, Banda.
10. Collection and evaluation of millet germplasm for improvement and value addition: Focus Central-East U.P. **PI:** Dr. Sanjeet, Professor, ANDUAT, Ayodhya.

कालानमक चावल अनुसंधान परियोजना

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उत्तर प्रदेश की अपेक्षा के क्रम में कालानमक चावल को निर्यात-मुखी बनाये जाने के दृष्टिकोण से "Genetic Improvement of Kalanamak for productivity traits, biotic and abiotic stress tolerance, aroma and nutritional quality" विषयक परियोजना 05 केन्द्रों (भा.कृ.अनु.प.—भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, आ.न.दे. कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय फसल अनुसंधान केन्द्र, मसौधा, अयोध्या तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, सिद्धार्थनगर, देवरिया एवं गोरखपुर) पर संचालित कराई जा रही है। इस हेतु धनराशि रु. 50 लाख की वित्तीय सहायता राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद द्वारा उपलब्ध कराई गई है। इस परियोजना की समय-समय पर समीक्षा एवं स्थलीय अनुश्रवण किया जा रहा है।

परियोजना के अन्तर्गत बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट तथा ब्लास्ट अवरोधी एवं जलभराव सहिष्णुता से सम्बन्धित जीन्स को क्रमशः पूसा-1853 एवं सांभा महसूरी सब वन प्रजाति से समावेशित कराते हुए तथा कालानमक चावल की सुगन्ध को मूल प्रजाति के समतुल्य रखते हुए 02 प्रजातियों (पूसा नरेन्द्र कालानमक-1 एवं पूसा सी.आर.डी. कालानमक-2) विकसित की गयी हैं, जिसका भारत सरकार द्वारा नोटिफिकेशन होने के बाद इसका बीजोत्पादन पर्याप्त मात्रा में कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषकों द्वारा किया जा रहा है, जिससे कालानमक का क्षेत्रफल प्रतिवर्ष बढ़ने से कृषकों को इसका लाभ मिल रहा है, जो इस परियोजना की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके अतिरिक्त 03 लाईनें (कालानमक एन.डी.आर. 8399-3, कालानमक एन.डी.आर. 8400-3, कालानमक एन.डी.आर. 2020-2) राज्य प्रजाति विमोचन

समिति अन्तर्गत अवमोचन की प्रक्रिया में हैं। इनमें मानक प्रजातियों के.एन.—3 एवं लालमती के सापेक्ष अधिक उत्पादन पाया गया है।

परियोजनान्तर्गत फसल अनुसंधान केन्द्र, मसौधा पर कालानमक चावल के 16 विभेदों का परीक्षण 03 चेक (कालानमक लोकल, के.एन.—3 तथा डूबराराज) के साथ सम्पन्न कराया गया, जिसमें 05 विभेद क्रमशः एन.डी.के.एन.—13, एन.डी.के.एन.—14, एन.डी.के.एन.—09, एन.डी.के.एन.—17 तथा एन.डी.के.एन.—20 समस्त चेक की तुलना में अधिक उत्पादन देने वाले चिन्हित किये गये हैं। इसके अतिरिक्त फसल अनुसंधान केन्द्र, मसौधा द्वारा परियोजना के अन्तर्गत चयनित की गयी 24 लाईन्स का परीक्षण भी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कराया जा रहा है।

संकर प्रजातियों का बहु-स्थानीय परीक्षण परिणाम

संकर मक्का : निजी क्षेत्र की बीज कंपनियों के संकर मक्का प्रजातियों का परीक्षण कार्यक्रम प्रदेश के 06 केन्द्रों पर खरीफ में आयोजित कराया गया। परीक्षण में कुल 08 कंपनियों की 11 प्रजातियाँ एवं 01 प्रजाति चेक के रूप में शामिल की गई। दो वर्षों (वर्ष 2021-22 एवं 2022-23) के परीक्षण आँकड़ों के विश्लेषण उपरान्त उपज के आधार पर निम्नानुसार संकर प्रजातियाँ उपयुक्त पायी गयीं —

क्र. सं.	कंपनी	संकर प्रजाति	औसत उपज (कु./हे.)	श्रेणी
1	सिनजेन्टा इण्डिया लिमिटेड	एनके 7750	70.55	प्रथम
2	रैलिस इण्डिया	डीएम 9194	70.16	द्वितीय
3	त्रिमूर्ति प्लान्ट साइंस प्राइवेट लिमिटेड	टीएमएमएच 812	66.53	तृतीय
4	महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा	एमएम 2033	66.11	चतुर्थ
5	चेक	बायोसीड 9544	65.60	पंचम

संकर चावल : निजी क्षेत्र की बीज कंपनियों के संकर चावल प्रजातियों का परीक्षण कार्यक्रम भी प्रदेश के 15 केन्द्रों पर आयोजित कराया गया। परीक्षण में कुल 13 कंपनियों की 24 प्रजातियाँ एवं 01 प्रजाति चेक के रूप में शामिल की गई। दो वर्षों (2021-22 एवं 2022-23) के परीक्षण आँकड़ों के विश्लेषण उपरान्त उपज के आधार पर निम्नानुसार संकर प्रजातियाँ उपयुक्त पाई गईं —

क्र. सं.	कंपनी	संकर प्रजाति	औसत उपज (कु./हे.)
1	सिनजेन्टा इण्डिया लिमिटेड	एस 7004	58.54
2	त्रिमूर्ति प्लान्ट साइंस प्राइवेट लिमिटेड	टीएमआरएच 5786	57.79
3	लिमाग्रेन फील्ड सीड्स (एल.जी.)	एलजी 90409	57.25
4	चेक	अराइज 6444 गोल्ड	57.17
5	कोर्टेवा	27पी 34	57.01

संकर सरसों : निजी क्षेत्र की बीज कंपनियों की सरसों की प्रजातियों/जीनोटाइप्स का परीक्षण कार्यक्रम प्रदेश के 08 केन्द्रों पर आयोजित कराया गया। परीक्षण में कुल 02 कंपनियों की 04 प्रजातियाँ एवं 01 प्रजाति चेक के रूप में शामिल की गई। दो वर्षों (2021-22 एवं 2022-23) के परीक्षण आँकड़ों के विश्लेषण उपरान्त उपज के आधार पर इन्डम 1751 प्रजाति/जीनोटाइप (इण्डो अमेरिकन हाईब्रिड सीड (इंडिया) प्रा.लि.) सर्वाधिक उपयुक्त पाई गई जिसकी औसत उपज 19.46 कुन्तल/हेक्टेयर तक प्राप्त हुई।

संकर प्रजातियों का बहु-स्थानीय परीक्षण कार्यक्रम

संकर चावल : वर्ष 2023-24 खरीफ में 06 निजी बीज कंपनियों के संकर चावल की 22 प्रजातियों एवं 01 चेक प्रजाति का बहु-स्थानीय परीक्षण कार्यक्रम प्रदेश के कृषि एवं अन्य विश्वविद्यालयों के 06 प्रक्षेत्रों (बिजनौर, लखनऊ, प्रयागराज, महाराजगंज, अयोध्या एवं वाराणसी) तथा कृषि विभाग के 07 सम्भागीय परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्रों (मेरठ, बरेली, मथुरा, अलीगढ़, हरदोई, इटावा एवं बाराबंकी) पर क्रियान्वित कराया गया है। परीक्षण परिणामों के विश्लेषण का कार्य प्रगति पर है।

संकर मक्का : वर्ष 2023-24 खरीफ में 02 निजी बीज कंपनियों के संकर मक्का की 06 प्रजातियों एवं 01 चेक प्रजाति का बहु-स्थानीय परीक्षण कार्यक्रम प्रदेश के कृषि एवं अन्य विश्वविद्यालयों के 03 प्रक्षेत्रों (लखनऊ, प्रयागराज एवं वाराणसी) तथा कृषि विभाग के 03 सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्रों (मेरठ, बरेली एवं अलीगढ़) पर क्रियान्वित कराया गया है। परीक्षण परिणामों के विश्लेषण का कार्य प्रगति पर है।

संकर बाजरा : वर्ष 2023-24 खरीफ में 03 निजी बीज कंपनियों के संकर बाजरा की 04 प्रजातियों एवं 01 चेक प्रजाति का बहु-स्थानीय परीक्षण कार्यक्रम प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालय के 01 प्रक्षेत्र (प्रयागराज) तथा कृषि विभाग के 01 सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्र (मथुरा) पर क्रियान्वित कराया गया। परीक्षण परिणामों के विश्लेषण का कार्य प्रगति पर है।

संकर सरसों : वर्ष 2023-24 रबी में 04 निजी बीज कंपनियों के संकर सरसों की 07 प्रजातियों एवं 02 चेक प्रजाति का बहु-स्थानीय परीक्षण कार्यक्रम प्रदेश के कृषि एवं अन्य विश्वविद्यालयों के 04 प्रक्षेत्रों (प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी एवं बोंदा) तथा कृषि विभाग के 02 सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्रों (इटावा एवं आजमगढ़) पर क्रियान्वित कराया जा रहा है।

संकर रबी मक्का : वर्ष 2023-24 रबी में 01 निजी बीज कंपनी के संकर मक्का की 02 प्रजातियों एवं 01 चेक प्रजाति का बहु-स्थानीय परीक्षण कार्यक्रम प्रदेश के 02 केन्द्रों (बी.एच.यू., वाराणसी एवं फसल अनुसंधान केन्द्र, बहराइच) पर क्रियान्वित कराया जा रहा है।

सी.एल. सरसों परीक्षण : आगरा क्षेत्र में सरसों की खेती में औरोबैकी परजीवी खरपतवार का प्रकोप बढ़ रहा है, जिसके क्रम में कोर्टेवा कम्पनी द्वारा विकसित संकर सरसों प्रजाति 45 एस 42 सी.एल. के औरोबैकी खरपतवार के प्रति सहिष्णुता से संबंधित परीक्षण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र, आगरा में क्रियान्वित कराया जा रहा है।



काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में सरसों की प्रजातियों के मूल्यांकन कार्यक्रम का अवलोकन करते महानिदेशक एवं उपमहानिदेशक, उपकार तथा संबंधित संस्थान के वैज्ञानिकगण

डायरेक्ट सीडेड राईस तकनीक का परीक्षण

डायरेक्ट सीडेड राईस (डी.एस.आर.) तकनीकी के परीक्षण हेतु उपकार में 27 अप्रैल, 2023 को कार्यशाला/बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश में चावल की सीधी बीजाई के माध्यम से चावल की खेती की आवश्यकता, इसके फायदे तथा डी.एस.आर. पद्धति में आने वाली विशिष्ट समस्याएँ एवं परीक्षण को वैज्ञानिक तरीके से सम्पन्न कराये जाने पर चर्चा की गयी। इसके साथ ही बदलते पर्यावरण एवं घटते जल स्तर के दृष्टिगत डी.एस.आर. तकनीकी को प्रदेश में अपनाये जाने से पूर्व इसके बहुस्थलीय परीक्षण की आवश्यकता पर बल दिया गया। उक्त क्रम में वर्ष 2023 में डी.एस.आर. पद्धति के माध्यम से प्रदेश के 10 कृषि विज्ञान केन्द्रों (रायबरेली, लखीमपुर खीरी, सीतापुर-2, बस्ती, जौनपुर-2, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर-2, बाराबंकी, महाराजगंज एवं प्रयागराज) में परीक्षण का कार्य कराया गया है। परीक्षण परिणामों के विश्लेषण का कार्य प्रगति में है।



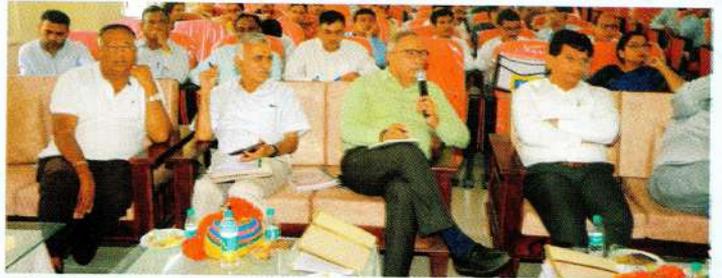
कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिया, सीतापुर में डीएसआर परीक्षण कार्यक्रम का अनुश्रवण करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह एवं केन्द्र के वैज्ञानिक

एक्सपर्ट कमेटी की बैठक सम्पन्न

प्रदेश के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में नये विभाग/कालेज की स्थापना, नवीन पाठ्यक्रमों तथा पदों के सृजन एवं रिक्त पदों को भरे जाने के संबंध में महानिदेशक, उपकार की अध्यक्षता में गठित एक्सपर्ट कमेटी की बैठक 04 जुलाई, 2023 को सम्पन्न हुई, जिसमें कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर, मेरठ, अयोध्या तथा बांदा के नवीन पाठ्यक्रमों तथा पदों के सृजन एवं रिक्त पदों को भरे जाने संबंधी प्रस्तावों पर चर्चा की गई तथा बैठक की संस्तुतियां अग्रेतर कार्यवाही हेतु शासन को प्रेषित की गई।

महानिदेशक द्वारा अनुसंधान केन्द्रों/कृषि विश्वविद्यालयों/कृषि संस्थानों/कृषि विज्ञान केन्द्रों का भ्रमण एवं कार्यक्रमों में प्रतिभाग

- महानिदेशक, उपकार द्वारा स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में 13-14 अप्रैल, 2023 को आहूत शोध सलाहकार समिति की बैठक में प्रतिभाग करते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई एवं आवश्यक निर्देश दिये गये।



कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में आहूत शोध सलाहकार समिति की बैठक में प्रतिभाग करते हुए महानिदेशक उपकार डा. संजय सिंह

- महानिदेशक, उपकार द्वारा 8-9 मई, 2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, चित्रकूट का भ्रमण किया गया तथा केन्द्र पर संचालित कार्यक्रमों के अनुश्रवण के साथ ही मत्स्य बीज उत्पादन इकाई एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि का अवलोकन कर विशेषज्ञों से चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।



कृषि विज्ञान केन्द्र, चित्रकूट के वैज्ञानिकों के साथ महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

- महानिदेशक, उपकार द्वारा 02-04 जून, 2023 को ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित ग्लोबल आर्गेनिक एक्सपो 2023 में प्रतिभाग किया गया।



ग्लोबल आर्गेनिक एक्सपो में सम्मान ग्रहण करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

- महानिदेशक, उपकार द्वारा 09 जून, 2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, कठौरा, अमेठी का भ्रमण किया गया तथा केन्द्र पर आयोजित किसान गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर किसानों को सम्बोधित किया गया तथा कृषि के सन्दर्भ में विभिन्न तकनीकी सुझाव दिये गये।
- महानिदेशक, उपकार द्वारा 30 जून से 02 जुलाई, 2023 तक अटारी, कानपुर द्वारा कृषि विज्ञान संस्थान, बी.एच.यू., वाराणसी में आयोजित कृषि विज्ञान केन्द्रों की 30वीं वार्षिक जोनल कार्यशाला में प्रतिभाग



कृषि विज्ञान केन्द्रों की जोनल वार्षिक कार्यशाला में विचार प्रस्तुत करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

किया गया तथा प्रदेश में कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किये जा रहे प्रसार कार्यों एवं उनके सुदृढीकरण के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किये।

- महानिदेशक, उपकार द्वारा 25-28 जुलाई, 2023 को कृषि विश्वविद्यालय, हरियाणा तथा सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा संयुक्त रूप से मेरठ में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "Methodology and motivational skills for extension personnel" में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया।



प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

- महानिदेशक, उपकार द्वारा 7 सितम्बर, 2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, बहराइच का भ्रमण किया गया। केन्द्र पर 21 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण के अन्तर्गत माली प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों को महानिदेशक द्वारा टूल किट देकर सम्मानित किया गया। महानिदेशक द्वारा केन्द्र पर संचालित किये जा रहे बीज उत्पादन कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त की गई तथा मक्का अनुसंधान प्रक्षेत्र का भ्रमण कर अनुसंधान कार्यों का अवलोकन किया गया।



कौशल विकास कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों के साथ महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

- अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूँ सुधार केंद्र (सीमिट), हैदराबाद द्वारा मक्का के गुणवत्तायुक्त उत्पादन, उत्पादकता एवं नवीन प्रजातियों के विकास



मक्का पर अनुसंधान कार्यक्रमों का अवलोकन करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह एवं अन्य विशेषज्ञ

हेतु कृषि विश्वविद्यालय एवं उपकार के साथ समन्वित रूप से अनुसंधान कार्यक्रम संचालित किये जाने के परिप्रेक्ष्य में महानिदेशक, उपकार द्वारा 22 सितम्बर, 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, बहराइच तथा फसल अनुसंधान केंद्र, बहराइच एवं घाघराघाट का डा. पी.एच. जैदी, प्रधान वैज्ञानिक, ग्लोबल मेज प्रोग्राम एवं डा. बी.एस. विवेक, रीजनल मेज ब्रीडिंग कोऑर्डिनेटर के साथ भ्रमण किया गया।

- महानिदेशक, उपकार द्वारा 3 अक्टूबर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, गोरखपुर में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत निर्मित विभिन्न इकाइयों के लोकार्पण तथा पूर्वांचल किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में प्रतिभाग किया गया।
- प्रदेश के कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापित किये जाने के संबंध में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में 5 अक्टूबर, 2023 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में महानिदेशक, उपकार द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- महानिदेशक, उपकार द्वारा प्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा संचालित कार्यक्रमों के अनुश्रवण के क्रम में 6 अक्टूबर, 2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, महाराजगंज तथा 7 अक्टूबर, 2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, कुशीनगर का भ्रमण किया गया तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सुझाव दिये गये। कृषि विज्ञान केन्द्र, महाराजगंज के भ्रमण के दौरान केन्द्र पर आयोजित कृषक गोष्ठी में भी प्रतिभाग किया गया।
- महानिदेशक, उपकार द्वारा 10 एवं 11 अक्टूबर, 2023 को आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के 49वें स्थापना दिवस समारोह एवं किसान मेले में प्रतिभाग किया गया।
- महानिदेशक, उपकार द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में 19 अक्टूबर, 2023 को प्रतिभाग किया गया।



किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में प्रतिभाग करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

- महानिदेशक, उपकार द्वारा 8 दिसम्बर, 2023 को रामा विश्वविद्यालय, कानपुर के कृषि संकाय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "Emerging Trends in Agriculture and Allied Sectors for Sustainable Development" में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया।
- महानिदेशक, उपकार द्वारा 9 दिसम्बर, 2023 को केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय शोध केन्द्र, लखनऊ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "Natural Resource Conservation and Management for Agricultural and Environmental Sustainability" में प्रतिभाग किया गया।



राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

- महानिदेशक, उपकार द्वारा शस्य विज्ञान विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित Research Co-operator's Conference में 11 दिसम्बर, 2023 को प्रतिभाग किया गया।



संगोष्ठी में प्रतिभाग करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह एवं अन्य

- बुन्देलखण्ड में मक्का उत्पादन के प्रोत्साहन हेतु 16 दिसम्बर, 2023 को रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा आयोजित कृषक-उद्यमी-वैज्ञानिक इंटरफेस बैठक में महानिदेशक, उपकार द्वारा प्रतिभाग किया गया।



कृषक-उद्यमी इंटरफेस में प्रतिभाग करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह, कुलपति, रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवं अन्य

- महानिदेशक, उपकार द्वारा 29 दिसम्बर, 2023 को बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) के नौवें संस्करण के आउटरीच कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं वैज्ञानिकों/शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।



दीप प्रज्वलन कर अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का शुभारम्भ करते हुए महानिदेशक, उपकार डा. संजय सिंह

- महानिदेशक, उपकार ने 29 दिसम्बर, 2023 को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के अन्तर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, पिलखी, मऊ का भ्रमण कर केन्द्र पर चल रहे विभिन्न प्रसार कार्यों, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और सेंटर आफ एक्सीलेंस कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा फसलों की क्रॉप कैफेटरिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। महानिदेशक ने केंद्र पर शाकभाजी पौधशाला, पोल्ट्री यूनिट, नेपियर यूनिट और अन्य यूनिट्स का भी निरीक्षण किया तथा उसकी सराहना की और अहम सुझाव दिए। केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. विनय कुमार सिंह द्वारा महानिदेशक को केंद्र के द्वारा जनपद में चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई।

उत्तर प्रदेश कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान अनुभाग, उ.प्र. शासन के पत्र संख्या 2516884 / 2023 / कृषिअ-67-1099 / 494 / 2019, दिनांक 19-10-2023 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना के क्रियान्वयन हेतु प्राविधानित धनराशि रु. 5.00 लाख के सापेक्ष रु. 2.50 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके क्रम में विभिन्न पुरस्कारों हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाने के लिये विज्ञापन प्रकाशित कराया गया है।

कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार का कार्यपूर्ति दिग्दर्शक

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग हेतु वर्ष 2023-24 का कार्यपूर्ति दिग्दर्शक तैयार कर कृषि विभाग को प्रेषित किया गया। इस दिग्दर्शक में कृषि विश्वविद्यालयों एवं उपकार की वर्ष 2022-23 की उपलब्धियों, बजट प्राविधान, महत्वपूर्ण योजनाओं तथा भावी कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया।

संरक्षक	: डा. संजय सिंह, महानिदेशक
संपादक	: डा. संजीव कुमार, उपमहानिदेशक
प्रकाशक	: सचिव, उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद, अष्टम तल, किसान मण्डी भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226 010, उ.प्र.
फोन	: 0522-2721626, ई-मेल: upcar12@gmail.com, dg-upcar@up.gov.in वेबसाईट: www.upcar.up.gov.in
मुद्रक	: माहेश्वरी एण्ड संस, 289/214, मोती नगर, लखनऊ, दूरभाष : 0522-4071816

प्रबन्ध समिति की बैठक सम्पन्न

उपकार की प्रबंध समिति की 45वीं बैठक 28 अगस्त, 2023 को माननीय अध्यक्ष, उपकार कैप्टन (से.नि.) विकास गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें उपकार द्वारा किये जा रहे कार्यक्रमों एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए विभिन्न नीतिगत निर्णय लिये गये।



प्रबन्ध समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय अध्यक्ष, उपकार कैप्टन (से.नि.) विकास गुप्ता

उपकार के स्वतंत्र कार्यालय भवन का निर्माण

वर्ष 2015 में उपकार के नवीन कार्यालय भवन के निर्माण हेतु शासन द्वारा धनराशि रु. 13.7595 करोड़ की लागत (पुनरीक्षित लागत 18.52 करोड़) स्वीकृत की गई। शासन द्वारा स्वीकृत लागत के सापेक्ष भवन निर्माण हेतु रु. 17.20 करोड़ अवमुक्त किये गये जिससे 98 प्रतिशत भवन निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है।

उपकार की नवीन वेबसाईट का उद्घाटन

नवीन शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में 06 सितम्बर, 2023 को सम्पन्न बैठक में मुख्य अतिथि माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान श्री सूर्य प्रताप शाही जी द्वारा उपकार की नवीन वेबसाईट upcar.up.gov.in का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

शोक संवेदना

उपकार में मृतक आश्रित के रूप में सहयोगी/चपरासी के पद पर कार्यरत श्रीमती विष्णु कुमारी का 05 जनवरी, 2023 को आकस्मिक निधन हो गया। श्रीमती विष्णु कुमारी परिषद में 01 जनवरी, 1999 से कार्यरत थीं।



स्व. श्रीमती विष्णु कुमारी